वाराणसी विकास प्राधिकरण वाराणसी

राजा उदय प्रताप मार्ग पन्ना लाल पार्क वाराणसी-221002

Ph: 0542-2283305/06, Fax: 0542-2283307, E-mail: vdavaranasi@gmail.com, Website:www.vdavns.com

वाराणसी विकास प्राधिकरण से सम्बन्धित दिनांक 24.07.2025 को वाराणसी शहर में प्रकाशित न्यूज पेपर",अमर उजाला, ज्ञानशिखा टाइम्स, हिन्दुस्तान,जागरूक एक्सप्रेस, न्यायाधीश,"समाचार पत्र कटिंग का विवरण।

अमर उजाला–दि0 24.07.2025

आदर्श जोनिंग रेगुलेशन पर कार्यशाला आज

वाराणसी। वीडीए की ओर से उत्तर प्रदेश विकास प्राधिकरण भवन निर्माण एवं विकास उपविधि-2025 और आदर्श जोनिंग रेगुलेशन-2025 के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। बृहस्पतिवार को सांस्कृतिक संकुल में सुबह 11:30 बजे से होने वाली कार्यशाला में नई भवन निर्माण एवं विकास उपविधि 2025 में क्या-क्या बदलाव हुआ, इस पर चर्चा होगी। ब्यूरो

अमर उजाला–दि0 24.07.2025

20 करोड़ रुपये की लागत से शहर में बनेगी नेट जीरो लाइब्रेरी

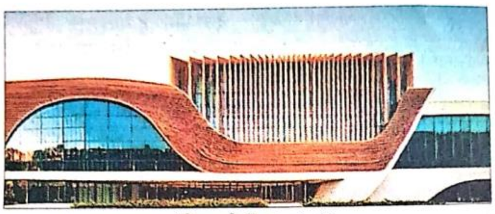

लाइब्रेरी का 3डी मॉडल। स्रोत-वीडीए

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। शहर में 20 करोड़ रुपये की लागत से अर्दली बाजार स्थित एलटी कॉलेज परिसर में नेट जीरो लाइब्रेरी का निर्माण किया जाएगा। इसका कुल क्षेत्रफल 20,930 वर्ग फीट होगा। इसकी एक समय में 500 व्यक्ति बैठकर पढ़ सकेंगे। इसमें 35,000 से अधिक पुस्तकें उपलब्ध रहेंगी।

इसको लेकर वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग और एनएचपीसी लिमिटेड के निदेशक उत्तम लाल की उपस्थिति में बुधवार को वीडीए में एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से वर्ष 2070 तक भारत को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन की दिशा में अग्रसर करने के संकल्प के अनुरूप यह परियोजना एक मील का पत्थर सिद्ध होगी। यह पुस्तकालय वाराणसी विकास प्राधिकरण की ओर से एनएचपीसी लिमिटेड के वित्तीय सहयोग से विकसित किया जा रहा है। स्थापत्य और वास्तुकला में पुस्तकालय का तरंगाकार अग्रभाग (फैकेड) पवित्र गंगा नदी से प्रेरित होगी। इसकी वास्तुकला में पारंपरिक पूजा स्थलों की झलक दिखेगी। यह भवन आधुनिकता और परंपरा का संतुलित संगम होगा। यह सभी आयु वर्ग के व्यक्तियों के लिए बनाया जाएगा। एनएचपीसी लिमिटेड के विभागाध्यक्ष (सीएसआर व एसडी) और वीडीए के सचिव डॉ. वेद प्रकाश मिश्रा ने नेट जीरो लाइब्रेरी परियोजना के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

तीन मंजिला बनेगी : इसका विस्तार तीन मंजिलों में होगा। इसमें भूतल के अलावा बहुउद्देश्यीय सभागार, बाल पठन क्षेत्र, कैफेटेरिया, टॉय जोन होगा। पहले तल पर विशाल पठन कक्ष, डिजिटल पुस्तकालय, ऐतिहासिक-सांस्कृतिक दीर्घा, दूसरे तल पर भवन प्रबंधन प्रणाली, जैव विविधता युक्त ग्रीन टैरेस होगा। तीसरे तल पर सतत और स्मार्ट संरचना, सौर ऊर्जा युक्त छत और रिसाव पहचान तंत्र होगा।

ज्ञानशिखा टाइम्स–दि0 24.07.2025

नेट जीरो लाइब्रेरी:ज्ञान, संस्कृति एवं सतत विकास का प्रतीक बनेगा वाराणसी का नवीन पुस्तकालय

वाराणसी । विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग एवं एन0एच0पी0सी0 लिमिटेड के निदेशक उत्तम लाल की उपस्थिति में एन0एच0पी0सी लिमिटेड के विभागाध्यक्ष (सी0एस0आर व एस0डी) एवं वी,डी,ए के अपर सचिव द्वारा नेट जीरो लाइब्रेरी परियोजना के संबंध में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। वाराणसी शहर में एक अभिनव पहल के अंतर्गत नेट जीरो लाइब्रेरी का निर्माण प्रस्तावित है, जो पर्यावरणीय संतुलन, सांस्कृतिक चेतना एवं आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2070 तक भारत को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन की दिशा में अग्रसर करने के संकल्प के अनुरूप यह परियोजना एक मील का पत्थर सिद्ध होगी।यह पुस्तकालय वाराणसी विकास प्राधिकरण द्वारा एन0एच0पी0सी लिमिटेड के वित्तीय सहयोग से विकसित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य वाराणसी जैसे आध्यात्मिक नगर को सतत शहरी विकास के एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित करना है, जिसकी कुल लागत 20 करोंड़ है ।

हिन्दुस्तान–दि0 24.07.2025

एलटी कॉलेज में बनाई जाएगी नेट जीरो लाइब्रेरी

- वीडीए और एनएचपीसी लिमिटेड के बीच करार
- पांच सौ लोगों के बैठने की होगी व्यवस्था

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। अर्दली बाजार में प्रस्तावित नेट जीरो लाइब्रेरी के निर्माण के लिए बुधवार को समझौते पर हस्ताक्षर किया गया। वीडीए मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग एवं एनएचपीसी लिमिटेड के निदेशक उत्तम लाल ने समझौते पर हस्ताक्षर किया।

पर्यावरणीय संरक्षण के लिहाज से इस लाइब्रेरी का निर्माण एलटी कॉलेज परिसर में किया जाएगा। भारत सरकार के वर्ष 2070 तक देश में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लक्ष्य में यह काफी सहायक होगा। नेट जीरो लाइब्रेरी की लागत 20 करोड़ रुपये आएगी। पुलकित गर्ग ने कहा कि नेट जीरो लाइब्रेरी ज्ञान, संस्कृति एवं सतत विकास का प्रतीक बनेगा। 20930 वर्गफुट में इसका निर्माण किया जाएगा। इसमें एकसाथ 500 लोग बैठ सकेंगे। इसमें 35 हजार से अधिक पुस्तकों का संकलन होगा। इसके आगे के हिस्से में गंगा से जुड़ी वास्तुकला और पारंपरिक पूजन विधि को उकेरा जाएगा।

जागरूक एक्सप्रेश–दि0 24.07.2025

अब हेरिटेज पथ का निर्माण करायेगा वीडीए

जिला संवाददाता

वाराणसी। काशी की कला संस्कृति को संगीत पथ के रूप में सहेजने के एक अच्छे प्रयास की सीएम योगी आदित्यनाथ की सराहना के बाद अब वीडीए हेरिटेज पाथवे का निर्माण कार्य शुरू कर रहा है। संगीत पथ का विस्तार किया जाएगा। पाथवे निर्माण के लिए विकास प्राधिकरण, कैंटोनमेंट बोर्ड और बिजली विभाग के समन्वय से सुविधाजनक पाथवे का निर्माण होगा। 750 मीटर लंबे तैयार होने वाले हेरिटेज पाथवे निर्माण के लिए वीडीए की एक टीम सर्वे कर रही है जो अपनी रिपोर्ट 26 जुलाई को सबमिट करेगी।

सेंट्रल जेल फुलवरिया तिराहे से लेकर शिवपुर जेल मोड़ तक लगभग 900 मीटर लंबा संगीत पथ तैयार हो चुका है। दूसरे चरण में JHV मॉल के बगल में नेहरू पार्क से विक्ट्री ब्रिज तक जिसकी लंबाई लगभग

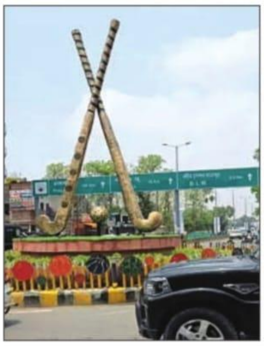

750 मीटर है, हेरिटेज पथ का निर्माण होगा। यहां पर काशी की कारीगरी, सेना से जुड़े स्कल्पचर तैयार होंगे।

तीसरे चरण में जेपी मेहता इंटर कालेज से जेल रोड तिराहा जो वर्तमान में हॉकी तिराहा के नाम से जाना जा रहा है, तक 900 मीटर लंबे माडल संगीत पाथवे का निर्माण किया जाएगा। इसके निर्माण के पूरा होने से संगीत पथ की लंबाई डेढ़ किलोमीटर से अधिक हो जाएगी। वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ वार्ता हुई। बैठक में तय हुआ कि संगीत पथ के साथ हेरिटेज पथ की राह में बाधा बन रहे बिजली पोल, ट्रांसफार्मर अंडरग्राउंड किए जाएंगे। नेहरू पार्क से वरुणा चौराहे तक (750 मीटर) तैयार होने वाले पाथवे की राह में डबल फीडर 11 केवी ओवरहेड लाइन, ओवरहेड एलटी केबल, भूमिगत 33 केवी केबल क्रॉसिंग, फुटपाथ साइड ट्रांसफॉर्मर आ रहे हैं। जेल रोड तिराहा से शिवपुर जेल कॉलोनी तक (900 मीटर) तक तैयार हो चुके संगीत पथ पर डबल फीडर 11 केवी ओवरहेड लाइन, 11 केवी ओवरहेड क्रॉसिंग, ओवरहेड एलटी केबल, भूमिगत 33 केवी केबल क्रॉसिंग, फुटपाथ साइड ट्रांसफॉर्मर है।

न्यायाधीश–दि0 24.07.2025

'नेट जीरो लाइब्रेरी' : ज्ञान, संस्कृति एवं सतत विकास का प्रतीक बनेगा वाराणसी का नवीन पुस्तकालय

एन0एच0पी0सी लिमिटेड के विभागाध्यक्ष (सी0एस0आर व एस0डी) एवं वी,डी,ए के अपर सचिव द्वारा 'नेट जीरो लाइब्रेरी' परियोजना के संबंध में एक समझौता ज्ञापन पर किया गया हस्ताक्षर

वाराणसी ।उपाध्यक्ष वाविप्रा पुलकित गर्ग एवं एन0एच0पी0सी0 लिमिटेड के निदेशक उत्तम लाल की उपस्थिति में एन0एच0पी0सी लिमिटेड के विभागाध्यक्ष (सी0एस0आर व एस0डी) एवं वी,डी,ए के अपर सचिव द्वारा 'नेट जीरो लाइब्रेरी' परियोजना के संबंध में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।वाराणसी शहर में एक अभिनव पहल के अंतर्गत नेट जीरो लाइब्रेरी का निर्माण प्रस्तावित है, जो पर्यावरणीय संतुलन, सांस्कृतिक चेतना एवं आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2070 तक भारत को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन की दिशा में अग्रसर करने के संकल्प के अनुरूप यह परियोजना एक मील का पत्थर सिद्ध होगी।यह पुस्तकालय वाराणसी विकास प्राधिकरण द्वारा एन0एच0पी0सी लिमिटेड के वित्तीय सहयोग से विकसित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य वाराणसी जैसे आध्यात्मिक नगर को सतत शहरी विकास के एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित करना है, जिसकी कुल लागत 20 करोड़ है ।'नेट जीरो लाइब्रेरी'की मुख्य विशेषताओं में कुल निर्मित क्षेत्रफल : 20,930 वर्ग फुट एक साथ उपयोगकर्ता क्षमता : 500 व्यक्ति कुल पुस्तकें : 35,000 से अधिक हैं।इसकी स्थापत्य एवं वास्तुकलाः पुस्तकालय का तरंगाकार अग्रभाग पवित्र गंगा नदी से प्रेरित है तथा इसकी वास्तुकला पारंपरिक पूजा स्थलों की झलक प्रदान करती है। मेहराबें, ऊर्ध्व रेखाएं एवं प्रकाशयुक्त गलियारे इसे एक ज्ञान मंदिर का स्वरूप देते हैं। यह भवन आधुनिकता एवं परंपरा का संतुलित संगम है।तीन मंज़िलों में विस्तारःभूतल :बहुउद्देश्यीय सभागार बाल पठन क्षेत्र कैफेटेरिया टॉय ज़ोन प्रथम तल में विशाल पठन कक्ष डिजिटल पुस्तकालय ऐतिहासिक-सांस्कृतिक दीर्घा है ।द्वितीय तल :में भवन प्रबंधन प्रणाली जैव विविधता युक्त ग्रीन टैरेस के अलावा सतत और स्मार्ट संरचनाःसौर ऊर्जा युक्त छत वर्षा जल संचयन प्रणाली ऊर्जा दक्ष और लाइटिंग सिस्टम पर्यावरण-अनुकूल निर्माण सामग्री जल अपशिष्ट उपचार संयंत्र एवं रीयूज़ प्रणाली चिल्ड वाटर सर्कुलेशन द्वारा 40 तक ऊर्जा बचत स्मार्ट जल निगरानी एवं रिसाव पहचान तंत्र समावेशी एवं सर्वजन सुलभःयह पुस्तकालय सभी आयु, वर्ग एवं क्षमताओं के व्यक्तियों के लिए पूर्णतः बाधारहित बनाया गया है। यहाँ पर सांस्कृतिक आयोजन, कार्यशालाएं तथा प्रशासनिक कार्यों हेतु पृथक क्षेत्र सुनिश्चित किए गए हैं।भविष्य की दिशा में ठोस कदमःयह पुस्तकालय केवल एक पठन स्थल नहीं, बल्कि सामुदायिक सहभागिता, जीवनपर्यंत सीखने एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का केंद्र बनेगा। वाराणसी के समग्र विकास की दिशा में यह एक भविष्य उन्मुख और सतत पहल है।